



भारत का दावापत्र

The Gazette of India

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1

PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

पृ. 13]

नई दिल्ली, यहस्पतिवार, जन 18, 1987/एप्रेल 28, 1909

No. 131

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 18, 1987/JYAISTHA 28, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

कार्यालय महायक आयकर आयकल (निरीक्षण)

मर्जन रेज 6

भारकर भवित्तियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269प्र (1)

के पार्श्वीन सुचनाएं

नई दिल्ली: ९ अगस्त, १९८७

निर्देश सं. आई. ए. सी./एस./६/३७ द. १९-८६/९१—ग्रन्त
 मुझे टी. के. बाह ग्राम्यकर ग्राम्यनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) जिसे
 इसके पश्चात 'उक्त ग्राम्यनियम' कहा गया है) की धारा २६९ के के
 प्रधीन सकाम ग्राम्यकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्पष्टदर्श
 सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य १,००,०००/- रु. में अविक है
 और जिसकी संख्या है तथा जो ३, पलेंग स्टाफ रोड, नई
 दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपादान प्रत्युम्भी में पूर्ण रूप से वर्णित है),
 "सकाम ग्राम्यकारी के कार्यालय में भागीय आमकर ग्राम्यनियम १९६१ की
 धारा २६९ के के अधीन नारील मितम्बर १९८६ को पूर्वोक्त सम्पत्ति
 उचित बाजार मूल्य से कम दृष्ट्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
 गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्यविव मम्पत्ति
 उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से, गिए दृष्ट्यमान प्रतिफल

के पश्चात प्रतिष्ठाता अधिकारी हैं और अन्तररक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिपत्ति निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तररण विधित में वाक्यात्मक रूप से कहिन नहीं किया गया है ।

(क) ग्रस्तरण से हुई किसी आय की आवत प्रायकर अविविष्यम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और

(म) ऐसी किसी ग्राम या किसी धर्म या अन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय धार्यकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धार्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकार अधिनियम (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, जिस पासे में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त प्रधिनियम की शारा 269-ए के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की शारा 26-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षितयों अर्थात् :—

1. श्रीमति सरया मल्होद्धाम
 3. फलेग स्टाफ रोड,
 सिंधिल लाईस, नई दिल्ली । (अम्बरक)

2. श्रीमति सुमित्रा गुप्ता क श्रीमति शांति देवी
24/13, शक्ति नगर, दिल्ली-110007 (प्रत्यक्षिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आंकेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रतिधि या सत्त्वसम्बन्धीय व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रतिधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय निरी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधानमंत्री के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुख भागों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभ्रान्ति है, वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में सिया गया है।

मनुसूची

प्लॉट नं. 3 फ्लॉग स्टाफ, रोड, नई दिल्ली 490 वर्ग मीटर सिविल लाइंस, नई दिल्ली ।

तारीख 9 जून, 1987

*(जो साथ न हो उसे काट दीजिए)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE VI

NOTICES UNDER SECTION 269 D(I) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 9th June, 1987

Ref. No. I.A.C. (Scq) R-VI/37EE/9-86/91.—
Whereas I, T. K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000/- and bearing No. situated at 3-Flag Staff Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under with the Competent Authority u/s 269 AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

(1) Smt. Satya Molhotra 3, Flag Staff Road, Civil Lines, Delhi-110054. (Transferor)

(2) Smt. Sumitra Gupta & Smt. Shanti Devi 24/13, Shakti Nagar, Delhi-110007. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette;

THE SCHEDULE

"3, Flag Staff Road, Delhi 490 sq. mts|Civil Line, Delhi."

Date : 9th June, 1987.

Seal

*Strike off where not applicable.

निदेश सं. आई. ए. सी.एस. ८/३७ ह ८/९६/९२—मत्त मुझे दी. के. साह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसके पालन-त्वरित 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की द्वारा 269A के अधीन समय अधिकारी को यह विवाद कराने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसमें उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- ह. से अधिक है और जिसकी संख्या है तथा जो ८४/१२, डब्लू. ए, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (जोर इससे उपर्युक्त मनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), "सामान अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की द्वारा 269 का वा के अधीन तारीख सितम्बर 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम वृद्ध्यमान प्रतिफल के लिए प्रलिन की गई है और मुझे यह विवाद कराने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके वृद्ध्यमान प्रतिफल से, गोसे वृद्ध्यमान प्रतिफल के पद्धति ह प्रतिशत अधिक है और प्रत्यरक्त (प्रत्यरक्तों) और प्रत्यरितों (प्रत्यरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

(क) घस्तरण से हुई किसी घ.य को अवृत्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और

(क) ऐसे किसी भाय या किसी धन या ग्रन्थ प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-क के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उप-धारा (1) के मध्येन निम्नसिद्धि व्यक्तियों प्रयत्नित हूँ :

1. श्री/श्रीमति/कुमारी मोटर एंड जनरल फाइनेंस लिमि.
प्रम. जी. एफ. हाउस, 17वीं, आसफ अली रोड,
नई दिल्ली । (मन्त्रिक)
2. श्री/श्रीमति/कुमारी रत्न एक्सपोर्ट एंड हॉर्स्ट्रिज लिमि.,
ए-130, अशोक विहार-3,
नई दिल्ली । (मन्त्रिक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन हे लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ ।

उक्त गणपति के अर्जन के रामबन्द में कोई भी व्यापेय ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी अक्षित द्वारा ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कियी गयी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्थावरण इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही ग्रन्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

209.5 वर्ग गज 2 1/2 स्टोरेज हाउस
8A/12, अशोक ए करोल बाग, नई दिल्ली ।

तारीख 9 जून, 1987

* (जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

New Delhi, the 9th June, 1987

Ref. No. IAC. (Acq.)|R-VI|37EE|9-86-92.—
Whereas I, T. K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing No.

situated at BA/12, W.E.A. Karol Bagh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under with the Competent Authority u/s 269 AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) M/s. Motor & General Finance Ltd., M.G.F. House, 17B, Asaf Ali Road, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Rattan Export and Industries Ltd. A-130, Ashok Vihar-III, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette;

THE SCHEDULE

“209.5 sq. yds. 2-1/2 storeyed house on 8A/12, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.”

Date : 9th June, 1987.

Seal

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्स. 8/एस प्रा-3/9-86/442-
अल दुप्पी टी के संह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ब्र के अधीन सक्रम अधिकारी को यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या है तथा जो एम पी एल नं. 10472 बाई नं. 16, ब्लाक नं. 44, अशोक ए करोल बाग नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), *रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिकल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान कुप्रैस से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पद्धति प्रतिशत अधिक है और असत

भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथा पाया यथा प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के भन्तरक के व्यक्तियों में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम (1957 का 27) के प्रयोगनाथे भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छप्ते में सुविधा के लिए।

भत यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवता।

1. श्री/श्रीमति/कुमारी जे एल विरभानी सु. स्वर्णीय टी आर विरभानी 7ए/73 डल्लू इ.ए, करोल बाग, नई दिल्ली और इन्हीं सी जनरल एंटोरनी वेद शशीकाश विरभानी सुनू. टी आर विरभानी 12-माइल टाउन, अम्बाल, सिटी, पंजाब। (भन्तरती)

2. श्री/श्रीमति/कुम.सी विकास एंडेस्टी आ. लिमि.
ए-4, माया पुरी फेस-1,
धारा के. एम. चावला, (भन्तरती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेय :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नल्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर दूर्वक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तानी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के प्रधाय 20-क में यथा परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

भन्तरुची

प्राप्ती विवरण एम.पी.नं. 10472 वार्ड नं. 16,
प्लाट नं. 44, भालूक-35ए, डल्लू इ.ए करोल बाग, नई दिल्ली।
तावादी 266.6 वर्ग गज।

तारीख 9 जून, 1987

* (जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

New Delhi, the 9th June, 1987

Ref. No. IAC. (Acq.) R-VI/SR-III/9-84/442.—
Whereas I, T. K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing No. Mp. No. 10472, Ward No. XVI, Plot No. 44, Block No. 15-A situated at W.E.A. Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at N. Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) Shri J. L. Birmani s/o Late Shri T.R. Birmani, 7A/73, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi, and duly constituted General Attorney of Shri Ved Prakash Virmani s/o. Shri T. R. Birmani, 17-Model Town, Ambala City Punjab. (Transferor)
- (2) M/s. Vikash Agencies Private Limited, A-4, Maya Puri, Phase-I, New Delhi, through its Director Shri K. S. Chawla. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette;

THE SCHEDULE

“Property bearing Municipal No. 10472, Ward No. XVI, Plot No. 44, Block No. 15-a situated at W.E.A. Karol Bagh, New Delhi, measuring 266.6 sq. yds.”

Date : 9th June, 1987.

Seal

*Strike off where not applicable.

निवेद नं. आई. ए. सी./एस. 6/एस आर 3/9-86/446—
 अतः मुझे श्री टी के साह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्ता अधिनियम' कहा गया है की धारा 269B के अधीन सभाम अधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सम्भा है सधा जो ब्लॉक नं. 1, ब्लॉक नं. 16-B, देश बंधु गुप्ता रोड करोलबाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपरबूझ मन्दिरमें पूर्ण रूप से अंकित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अधिनियम 1961 की धारा 269 का ख के अधीन लारीख सितम्बर 1986 को पूर्णोत्त सम्पत्ति के उचित शाजार मूल्य से कम दृष्यमान नियंत्रित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथाधूर्यान्ति सम्पत्ति का उचित शाजार मूल्य, उक्त दृष्यमान प्रतिकल ने, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल के अन्तर प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्त (अन्तरिक्तों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पास गया प्रतिकल नियंत्रित उद्देश से उक्त अन्तरण नियंत्रित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है—

(क) अमरण में हुई किसी दाय की आबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायितव में किसी करने या उससे बचन में मुकिया के लिए और,

(ख) ऐसी किसी दाय या किसी धन या कल्य व्यक्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उनकर अधिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्ज्ञी द्वारा प्रकट नहीं किया गया ताना चाहिए वा. छिपाने में मुकिया के लिए,

अतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-के में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-की उप-धारा (1) के अधीन नियंत्रित व्यक्तियों प्रति, —

1. श्री/श्रीमती/मुमारी धर्मचोर सुपुत्र स्वर्गीय भा. हरिचंद, निवासी 431, मथुरा रोड, जंगपुरा नई दिल्ली तथा श्री. नी. जोगदा द्वारा एटोली कंवलजीत सिंह, गोदी सुपुत्र बलदेव सिंह गोदी, ए-89, नीतिबाग, नई दिल्ली । (अन्तरक)
2. श्री जयकुमार मिरानी हरजसपात निह आरोके। छापडा, श्रीमती एन. के. छापडा, श्रीमती गुरशस्त कौर, मिस मनमीत कौर सोंगी, श्रीमती यनिनंदर गोर्खी जाबला फेमिली प्रा०ट्रस्ट 1-116 अशोक विहार नई दिल्ली । (अन्तरिक्त)

को यह सूचना जारी करके पूर्णोत्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अवधि या संस्थानी अविकार्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में नमात्र होती हो, के भीतर पूर्णोत्त अधिकारों में किसी अविकार द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में नियंत्रद किसी दाय अविकार द्वारा अविकारात्मकों के पास लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के में प्रयोगी अविभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लॉक नं. 1 ब्लॉक नं. 16-B, देशबंधु गुप्ता रोड, करोल बाग, नई दिल्ली लापता 180 तक गज ।

तारीख 9 जून, 1987

सीन

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

New Delhi, the 9th June, 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq.)VI|SR-II|9-86|446—
 Whereas I, T. K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Plot No. 1, Block No. 16-B, situated at Desh Bandhu Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and *registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986 an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (1) of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) Shri Dharambir s/o Late Shri Hari Chand R/o 431, Mathura Road, Jangpura, New Delhi and O P Chopra through Att. Kanwaljeet Singh Goindi s/o Baldev Singh Goindi R/o. A-89, Neeti Bagh, New Delhi (Transferer)
- (2) Shri Jai Kumar Meerani, Harjaspal Singh, R. K. Chhabra, Mrs. N. K. Chhabra, Mrs. Gursaran Kaur, Miss Mammet Kaur

Sodhi, Mrs. Maninder Goindi Chawla
Family Pvt. Trust, I-116, Ashok Vihar,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette;

SCHEDULE

"Plot No 1, Block No. 16-B, Desh Bandhu Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi, measuring 180 sq. yds:

Date : 9th June, 1987.

Seal

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्ट./6/एस आर-3/9-86/447:—
अत. मुझे दी के मात्र आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है को धारा 269B के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विवाद कराने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या 16/3 है तथा जो 16/3, इन्हुंने इ. करोलबाग, नई दिल्ली में विक्री की गयी है, उसके अनुमति अधिकारी के कायदानीय नई दिल्ली में भारतीय अधिकारी करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दूष्यमान प्रतिकल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विवाद कराने का कारण है कि यद्यपीकिंत सम्पत्ति का उचित-बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिकल के बहुत प्रतिशत अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुरित लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक का विविध में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और
- (ज) ऐसी किसी आय या किसी वस्तु या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट कर्ता किया गया जाना चाहिए था, लिखाने में सुविधा के लिए,

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, अन्तर अधिनियम की धारा 269-ए की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात्—

1. श्री/बीमर्डी/कुमारी श्रीमतीशह भाजे सुपुत्र स्वर्गीय पुरुष जाता तिवारी, निवासी-16/3, इन्हुंने इ. करोल बाग, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री/बीमर्डी/कुमारी एसिस्टेंट प्रोविन्स प्रा. लिमि.
8/18, कालका एस्टेंशन, नई दिल्ली द्वारा मैनेजिंग डायरेक्टर
एम. जमपाल सिंह बत्ता ।
(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकारी गुरु करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिकृताधारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथम अन्दरूनी और पर्दो का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिमाणित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्राप्टी विवाद संख्या नं 3, अनुक्रम नं. 16, एक्टेंट, लेव करोलबाग, नई दिल्ली । असरा नं. 1 और आतेली नं. 1160, लालबाड़ी लगभग 280 वर्ग गज ।

तारीख 9 जून, 1987

सील

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. IAC.(Acq.)/R-VI/SR-III/9-86/447.—
Whereas I, T. K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing No. H. No. 3, in Block XVI in West Exten. Area situated at Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and *registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian

Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

(1) Shri Pritam Singh Bharj s/o Late S. Bawa Singh Bharj R/o 16/3 W.E.A. Karol Bagh, New Delhi-110005.

(Transferee)

(2) M/s. Aeries Overseas Pvt. Ltd., 8/16, Kalkaji Exten. New Delhi through its Managing Director S. Jaspal Singh Batra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette;

SCHEDULE

"Property bearing H. No. 3, in Block No. XVI, in West Extn. Area of Karol Bagh, New Delhi, falling in Khasra No. 1947/1164, Khewat No. 1 & Khatauni No. 1160. Measuring about 280 sq. yds.

Date : 9th June, 1987.

Seal

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. आई. ए. सो./एक्यू./6/एम आर-3/9-86/451 :—
मैं भूमि ट. के माह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है) की वारा 269 वा के अधीन सकाम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मूल्य है तथा जो 17 ए/58 इक्यू. इ.ए, करोलबाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपानुक्रम सुनिश्चित में पूर्ण रूप से बर्णित है)*, रजिस्टरेटर अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्टरेटर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) तारीख सितम्बर 1986 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिकल के लिए घोषित की गई है जो भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त संपत्ति का उचित-बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और ग्रंतरक (ग्रंतरकों) और प्रतिलिपि (प्रतिरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं कहा गया है—

(क) ग्रंतरण से बुर्ड किसी भाव के बावजूद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरण के वायिक्ष में कमों करने वा उसमें बद्धते में नुविधा के लिए, और

(व) ऐसी किसी भाव वा किसी अन्य व्यक्तियों, की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वा उनकर अधिनियम 1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अंतरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए, शा, छिपान में नुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की भारत 269-वा के अनुसरत में, मैं उक्त अधिनियम की वारा 269 वा की उप-व्याप्ति (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. आमंत्री विस्ता भोहिनीं राजपाल परन्तु श्री बन्द्रभान राजपाल द्वारा एटोरन बन्द्रभान राजपाल निवासी—17ए/58, इक्यू. इ.ए, करोल बाग, नई दिल्ली। (अतरक)

2. श्री सतपाल सीर, नरेन्द्र कुमार शीर्ष, विरेन्द्र कुमार और गुप्त बद्रा नाथ निवासी 16/17, टैगार नगर, मिशन लाइस, सुधियाना बर्तमान 250-ए, अनकापुरी नई दिल्ली।

(प्रतिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलेख

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का अधिक या तस्वीरधीय व्यक्तियों पर सूचना को तावोल से 30 दिन को अवधि बाद में समाप्त हो, के भावसर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किस, अवित द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीनहस्तकरा के प्रम निश्चित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होग जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट लैंड न. 58, ब्लॉक न. 17-ए, इक्यू. इ.ए, करोलबाग, नई दिल्ली। तालाबी 234 वर्ग नम। १८ तारीख ९ जून 1987

मील

*(जो लागू न हो उसे काट दंडिए)

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-VI/SR-III/9-86/451.—Whereas I, T. K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing No. Plot of Land No. 58 situated in Block No. 17-A, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi measuring 234.22 sq. yd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) Smt. Vishwa Mohini Rajpal Shri Chander Bhan Rajpal through Attorney Shri Chander Bhan Rajpal Rio 17A/58, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Gopal Whir, Shri Narendra Kumar Dhir, Virender Kumar Dhir All sons of Shri Badri Nath Dhir Rio. 16/17-B, Tagore Nagar, Civil Lines, Ludhiana at present 250A, Janakpuri, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette;

SCHEDULE

“Plot of land No. 58 in Block No. 17-A, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi measuring 234.22 sy. yds.

Date : 9th June, 1987.

Seal

*Strike off where not applicable.

निर्देश नं. आई. ए. सी. नं. 1/क्ष. 6/पा. शार-3/9-86/452 :—
प्रत. सूक्ष्म दंग के साह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पूर्वाल 'उद्देश अधिनियम' कहा गया है कां भारा 269 से के प्रधान सक्षम प्रधिकार। को यह विषयास करने का कारब्र है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसका संक्षय है तथा जो 9/8, वैष्णवगू गुप्ता रोड, नई दिल्ली 1 में स्थित है (शौर हमसे उपाख्य अनुसूची में पूर्ण से वर्णित है), *रजिस्ट्रेक्टर अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेक्टरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान तारीख मिशन्स्वर 1986 का पूर्वाल संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृष्ट्यामान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और सूक्ष्म यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित-बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यामान प्रतिकल से, ऐसे दृष्ट्यामान प्रतिकल के पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अंतरितों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया, प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विभिन्न में आस्तकिक रूप से कार्यालय नहीं किया गया है—

- (क) अंतरण से हुए किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में करनी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या छनकर अधिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए था, लियाने में गुणिता के लिए,

प्रत. अब उक्त अधिनियम को भाग 269-ग के प्रयोजन में, मैं उक्त अधिनियम को भाग 269 घ की उप-भाग (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्री मदन मिश्न नव्यर सुपूत्र श्री अर्जन मिश्न 18/8, दंग गुप्ता रोड, पहाड़गंज, नई दिल्ली।

(अंतरक)

2. श्री बिनोद गोगिया सुपूत्र श्री जे आर गोगिया (2) सूक्ष्म गोगिया सुपूत्र श्री जे आर गोगिया (3) श्रीमती सुष्मा गोगिया पत्नी श्री जी सी गोगिया 4319/3, संसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाल संपत्ति के अंतरन के लिए कार्यालयी शुरू करता है। उक्त संपत्ति के अंतरन के संबंध में कोई भी आव्वेदन :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को लामोल से 30 दिन की अवधि आदि में घमाल होती है, के भीतर पूर्वाल व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भान्नर उक्त स्थावर संपत्ति में लितबद किसा अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किये जा सकेंगे।

सार्विकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों शौर दंग, का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के मैं यथा परिभ्रान्त है, वही अर्थ होगा जो उभ अध्याय में विद्या गया है।

प्रत्यक्षवाची

प्राप्ति नं. 8/8 देशबन्धु गुप्ता रोड, नई दिल्ली नामकी लगभग 333, 34 बर्ग गज स्थान नं. 915/710 और 711।
तारीख 9 जून, 1987

*(जो नाम न हो उसे काट देंजिए)

Ref. No. IAC (Acq.)/V1/SR-III/9-86/452.—Whereas I, T. K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 8/8, Desh Baudhu Gupta Road, New Delhi situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Shri Madan Singh Nayyar S/o Sh. Arjun Singh R/o 8/8, D.B. Gupta Road, Paharganj, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri/Smt./Km. (1) Vinod Gogia S/o Sh. J. R. Gogia (2) Sh. Sunil Gogia S/o J. R. Gogia (3) Smt. Sudha Gogia W/o Sh. G. C. Gogia all R/o 4319/3 Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette:

SCHEDULE

"Property bearings No. 8/8 Desh Baudhu Gupta Road, New Delhi, measuring about 333.34 sq. yds. falling in Khasra No. 915/710 and 711."

Date 9th June, 1987

Seal

*Strike off where not applicable.

निर्देश में आई.ए.सी./ए.प्यू./6/एम.प्रा.र-1/9-86/925: —अनुमति दी गई के माह आवाहन अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् "उन्नत अधिनियम" कहा गया है) को याद रखने के अधीन सभी अधिकारी को पर विवाद करने का दायरा है कि स्थान अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन यातायार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या है तथा जो वी-2/63, यातायार नं. 8/8 दिल्ली में स्थित है (ओर इसके उपावधि अनुमति में पूर्ण रूप से वर्णित है), "रजिस्ट्रीलर्स अधिकारी का वार्षिक नियंत्रण दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख ... सितम्बर, 1986 को पूर्वान्तर गमनिय के उचित वातायार मूल्य से कम दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्वरित की गई है, और नुस्खे पहले विवाद करने का कारण है कि यातायार अनुमति का उचित वातायार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से ऐसे दूष्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिक्रिया के और अन्वरित (अन्वरिकों) और अन्वरिनी (अन्वरियों) के बीच ऐसे अन्वरण के लिए तब पाया गया प्रतिक्रिया निष्पत्तिवाल उद्देश्य से उत्तर अन्वरण विविध से वास्तविक रूप से नियंत्रण नहीं किया गया है—

(क) अन्वरण से पूर्व दी गयी अपेक्षा अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्वरिक के विवरण में कमी करने या उसके बजाए में सुविधा के लिए और

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आवाहन अधिनियम, 1922 (1922 का 11) आवाहन अधिनियम, 1951 (1951 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 का 27 के प्रयोगनार्थ अन्वरिकी द्वारा प्रकट नन्हीं किया गया ताकि उन्हें भारतीय आवाहन अधिनियम के लिए तब पाया गया प्रतिक्रिया निष्पत्तिवाल उद्देश्य से उत्तर अन्वरण विविध से वास्तविक रूप से नियंत्रण नहीं किया गया है—

अत, या, उम, अधिनियम की याता वार्षिक विवाद 230-त के वार्षिक में, से उन अधिनियम की याता 260-व का उचित (1) के प्रीति विवाद लिखित अधिकारी, अर्थात्—

1. श्री मनमोहन सिंह श्री गुरुमुखसिंह निशानी-1 न-नुगलक चौड़ा, नर्सिंहनी। (अन्वरिक)

2. श्री रामेश अवधार मुरुज श्री ए.ए.ए. अवधार और श्रीमति शज़ज़ानी मध्याल पर्मी श्री ए.ए.ए. अवधार विवाही वी-241, देहावालान नगर, दिल्ली। (अन्वरिनी)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बति के प्रवर्तन के विषय कार्यवाही अनुसार दर्शाया है।

जात गम्भीर के प्रवर्तन के भवित्व में कोई भी वापेदः

(क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्राप्तान जी तारीख से 45 दिन की समयी या अधिकारी अधिकारी पर सूचना की तभीत से 30 दिन की समयी याद में प्राप्तान की जात पूर्वी अधिकारी में किसी व्यक्ति द्वारा।

(ब) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन को तारोड़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समति में हितमुद्ध निर्णय प्रदर्शित भारा, भ्रात्योहस्ताकारी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो आवश्यक अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधाय 20-क में यथापरिमाण है, वही भर्ते होंगा जो उस अधाय में दिया गया है।

मनुसूची

प्रार्थी मं. बी-2/63, अशोक विहार, फेज-2 दिल्ली।
तारीख 9 जून, 1987

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. I.A.C. (Acq)/VI/SR-I/9-86/925.
Whereas I, T.K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No B-2/63, Ashok Vihar, Phase-II, Delhi, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at N. Delhi in Sept. 1987 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act. to the following persons, namely :

(1) Shri Man Mohan Singh
S/o. Sh. Gurmukh Singh
R/o. 16-Tughlak Road, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Rajiv Aggarwal
S/o. Sh. S.S. Aggarwal, and
Smt. Raj Rani Aggarwal
W/o. Shri S.S. Aggarwal both residents of
B-241, Derawalan Nagar, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

THE SCHEDULE

"Property No. B-2/63, Ashok Vihar, Phase-II, Delhi".

Date 9th June, 1987.

Seal

*Strike off where not applicable.

निवेशसं. आई.ए.टी./एसू/6/गा.आ-1/9-86/927 :—प्रा. मुमे दी.से. श्रु भारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) को धाय 269-ब के अंतर्गत सम्भव अधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर समति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और अन्तर्गत संघर्षा है तथा जो 4866, हरयैन निंद स्ट्रीट नं. 24, बरियांगं, दिल्ली में स्थित है (और इसे उत्तर भारतीय के पूर्ण रूप से बर्जन है), *रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय नहीं दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अंतर्गत *सम्भव अधिकारी के कार्यालय में भारतीय भारकर अधिनियम 1961 की धाय 269-बके प्रधीन तारीख 1986 का पूर्णांग समति के उचित बाजार मूल्य से कम वृद्धमान प्रतिकर के फिर अन्तर्गत को गई है और इसे पूर्ण विषयास करने का कारण है कि यह भारतीय गतिशील तथा उचित बाजार मूल्य, उपरके दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे इत्यमात्र प्रतिकर के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अन्तर्गत) और अस्तरियों (अन्तर्गतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाता गया प्रतिकर विनियोगित उद्देश से अवैध अन्तरण विद्युत में वास्तविक रूप से कार्यकारी नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में मुक्ति नियोग की आवश्यक आवश्यक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के इनिय-व में कमी करने या उम्मेदवारों में सुविधा के लिए, और

(ख) ऐसी नियोग की आवश्यक आवश्यक आवश्यक अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धनकर अधिनियम, 1957 (का 27) के प्रयोगनार्थी अन्तरियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया तथा बाहित था, बिगत में सुविधा के लिए, ..

भ्रत, भ्रम, उक्त भ्रविनियम की घारा 269ग के भ्रनुमरण में, मैं उक्त भ्रविनियम की घारा 269व को उपधारा (1) के अवौन भिन्न नियन्त्रित अभिन्नों, यद्यन्ति :—

1. श्री ओम प्रकाश गुप्ता पुढ़ स्ट. डा. स्टर्लिंग गुप्ता करना मैनेजर
आर्क श्री ओम प्रकाश गुप्ता (एम्युएफ) 4318/3, दिल्लीगंज,
नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. मैसर्स सन्थू कन्स्ट्रक्शन 2 बी, पराम इ. सी.टी. देशमुख भाग
ब्रम्हर्क पार्टनर श्री टी.एस. पनजाबी (अन्तरिती)

को यह सूचना आगे करके पूर्वान्तर सम्बति के अर्जन के लिए कार्यवाही
शुरू करता हूँ।

उक्त सम्बति के अर्जन के सम्बन्ध में काइ भा आक्षय :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की
अवधि या नवमन्ती अभिन्नों पर सूचना की तारीख से 30
दिन की अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वान्तर
अभिन्नों में किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के
भीतर उक्त स्थावर सम्बति में हितवद्ध किसी अन्य घटकित
द्वारा, अद्वैतान्तरिकों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रभुत्व शब्दों और पर्दों का, जो आयकर भ्रविनियम
1961 (1961 का 43) भ्रविनियम 20-क में यथा
परिभासित है, वही भर्त्य होमा जो उस भ्रविनियम में दिया
गया है।

भ्रनुमरण

पी. नं. 4866 हरबंग सिंह स्ट्रीट नं. 24 दिल्लीगंज, दिल्ली
तालाबी 283 वर्ग फीट

तारीख 9 जून 1987

*(जो लागू न हो उसे काट देंजिए)

Ref. No. I.A.C. (Acq)./VI/SR-I/9-86/927.—
Whereas I, T.K. Sah being the Competent Authority
under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) hereinafter referred to as the said Act) have
reason to believe that the immovable property having
a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and
bearing No. 4866, in Harbans Singh Street situated at
No. 24, Darya Ganj, Delhi. (and more fully described
in the Schedule annexed hereto) has been transferred
and registered under Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the registering Officer at N.
Delhi* has been registered with the Competent Authority u/s 269 A B of the I.T. Act, 1961 read with rule
48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept 1986
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the pro-
perty as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen percent of such
apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the transferor(s)
and transferee(s) has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the said
Act in respect of any income arising from the transfer;
and

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of
1922), or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1952
(27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I
hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :

(a) Shri Om Prakash Gupta,
S/o Late Dr. Sarup Gupta,
Karta Manager of Sh. Om Parkash Gupta,
(HUF)
4318/3, Darya Ganj, (Transferor)
New Delhi.

(2) M/s. Sindhu Construction,
27-B, Parag,
Dr. C.T. Deshmukh Marg,
Bombay Through its partner
Sh. T.S. Punjabi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said
property may be made in writing to the
undersigned:

- by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- by any other person interested in the said im-
movable property within 45 days from the date
of the publication of this notice in the official
Gazette;

THE SCHEDULE

“P.N. 4866, in Harbans Singh Street,
No. 24—Darya Ganj,
Delhi measuring 283 sq. yds.”

Date 9th June, 1987

Seal

*Strike off where not applicable.

नई दिल्ली, 11 जून, 1987

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./6/एस. भार.-1/9-86/923:—
अतः, मूले दी. के. साह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन संभव अधिकारी को यह विवाद कराने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या है तथा जो 28-सी, गलीपुर रोड, दिल्ली-1 में स्थित है (और इसमें उपाबन्ध अनुमति में पूर्ण रूप से वर्णित है), *रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय नई लिली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुहूर यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः, अब, उक्त, अधिनियम की धारा 269-ग के अनुगारण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा 1 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री सत्यप्रकाश अग्रवाल सुपुत्र स्वर्गीय श्री आर. एस. अग्रवाल स्वयं और जनरल एटोरली श्रीमती श्रीमति अग्रवाल और संवीप अग्रवाल निवासी-23, गलीपुर रोड, दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री अनिल मूलचंदानी सुपुत्र स्वर्गीय नानक राम 2. श्रीमति नीरु मूलचंदानी पत्नी श्री अनिल मूलचंदानी 3. जगदीप मूलचंदानी सुपुत्र स्वर्गीय श्री नानक राम (4) पुत्रा मूलचंदानी पत्नी जगदीप मूलचंदानी मियासी बी. डी. एस्टेट, मिलिल लाइस्स लिली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही पूरु करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षस्त्राकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें युक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

*(जो लागू न हो उसे काट दिजिए)

अनुसूची

अधिभास्य प्रोप्रीटी नं. 28-सी, क्षेत्र 700 बर्गाज स्थित अलिपुर रोड, दिल्ली।

तारीख 11-6-87

New Delhi, the 11th June, 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/VI/SR-I/9-86/923 :—
Whereas, I, T.K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No Undivided property No.28/C, Alipur Road, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and *registered under Registration Act 1908 (16 of 1903) in the Office of the registering Officer at N. Delhi in Sept. 1987 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer : and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) Shri Satya Prakash Aggarwal
S/o. Late R.L. Aggarwal for self and as
Genl. Attorney of Smt. Bina Aggarwal and
Sandeep Aggarwal
R/o. 28, Alipur Road, Delhi (Transferor).

(2) Shri/Smt./Km.

(1) Anil Moolchandani
S/o. Late Nanak Ram(2) Smt. Neeru Moolchandani
W/o. Anil Moolchandani(3) Jagdish Moolchandani
S/o. Late Sh. Nanak Ram(4) Smt. Pushpa Moolchandani
W/o. Sh. Jagdish Moolchandani
R/o. 100 B.D. Estate, Civil Lines, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette;

THE SCHEDULE

"Undivided property No. 28/C, Area 700 sq. yds. situated at Alipur Road, Delhi".

Date 11th June, 1987.

Seal

*Strike off where not applicable

नई दिल्ली, 12 जून, 1987

निर्वाच सं. आई. ए. सी./एक्यू. 6/एस. आर. II/9-86/415:—
अतः भूमि ————— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हास्ते इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 अ के अधीन सकाम अधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से प्रधिक है और बिसकी संख्या जे.-3/134 है तथा जो राजीरी गाइन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपबद्ध भ्रातुर्भूमि में पूर्ण रूप से वर्णित है), *रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दूसरमान प्रतिफल के लिए अस्तारित की गई है और भूमि यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्ण वक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरमान प्रतिफल से, ऐसे दूसरमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और भ्रातुर्भूमि (भ्रातुर्भूमि) अस्तारित (अस्तारितियों) के बीच इसे भ्रातुर्भूमि के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तारण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) भ्रातुर्भूमि से हुई किसी पाय की आबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के भ्रातुर्भूमि के दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और

(ज) ऐसी किसी पाय या किसी धन या अम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ भ्रातुर्भूमि द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः भ्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के भ्रातुर्भूमि में, मै उक्त अधिनियम की धारा 269 अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत:—

(1) स. जंगिन्द्र सिंह, गुरु स. किसन सिंह जे.-3/134, राजीरी गाइन, नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) मै. यत्कार इंटरेशनल द्वारा पॉर्टर श्रीमती श्रांगा गुलाटी पत्नी श्री नन्द किशोर गुलाटी और भोहन गुलाटी पत्नी श्री मुलक राज निवासी जे.-3/135 राजीरी गाइन, नई दिल्ली (अस्तारित)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सब्दन्व में कोई भी आक्रमण:

(क) इस सूचना के उपरान्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि बांब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपरान्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अम्य व्यक्ति द्वारा, अशोहसुधारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रायुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापक व्यापारित हैं, वही मर्य होंगे जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रातुर्भूमि

मो. नं. जे.-3/134, राजीरी गाइन, नई दिल्ली
तारीख 12-6-87

मोहर

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

New Delhi, the 12th June, 1987

Ref.No.I.A.C. (Act)/Range VI/SR-II/9-86/415 :
Whereas I T.K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000/-and bearing No. J-3/134, Rajouri Garden situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and *registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at N. Delhi in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have

reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(1) S. Joginder Singh
S/o. S. Kishan Singh
J-3/134, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri M/s. Satkar International through
its partner Mrs. Asha Gulati
W/o. Mr. Nand Kishore Gulati and
Sh. Mohan Singh
S/o. Mulakh Raj, J-3/135 (J-3/135)
Rajouri Garden, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

“J-3/134, Rajouri Garden,
New Delhi”

Date 12th June, 1987

Seal

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. धाई. ए. सी./एस्यू.-6/37 ई बी/9-86/88:—यह मूल टी. के. साह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है) की धारा 269 वा के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या है तथा जो प्लैट नं. पू. जी.-9 व एल-9 प्लॉट नं. 10 आशाफली रोड नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य भर्तुली में पूर्ण रूप से वर्णित है), के अधीन सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 का कारण है कि अधीन तारीख सितम्बर, 1987 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम दूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्भृत की गई है और मूले यह विवास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्भृत (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वार्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या भव्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितीद्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, भव्य उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) मै. एसल प्रोपर्टीज और इण्टर्नीज बी.-10, लार्नस रोड, ओशोंगिक एरिया नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) मै. जैकसन लैबोरेट्रीज 1496, पहली मंजिल, भारीरथ प्लेस दिल्ली-6 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रदूषित या तस्वीरात्मक व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिद्धित में किए जा सकें।

सम्पीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के माध्यम से 30-क में पर्याप्त व्यक्ति हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

फ्लैट म. यू. जी. 9 एल 9, अपर ग्राउंड फ्लोर व लोफ्ट

फ्लोर प्लाट नं. 10 आशफ़ फ्लैट रोड, नई दिल्ली ।

तारीख 12-6-87

मोहृ

*(जो लागू नहीं उसे काट दीजिए)

Ref. No. I.A.C.(Acq)/Range VI/37EE/9-86/88.— Whereas I, T.K. SAH being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. UG-9 & L-9/Upper Ground Floor and Loft Floor/377.65 and 285.39 sq. ft. situated at 10, Asaf Ali Rd. N.Delhi (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and *has been registered with the Competent Authority u/s. 269 A B of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) M/s Essel Properties & Industries
B-10, Lawrence Road Indl. Area,
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s Jackson Laboratories
1496, 1st Floor, Bhagirath Place,
Delhi-110006. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

“Flat No. UG-9 & L-9/Upper Ground Floor and Loft Floor/377.65 ; & 285.39 sft.” Plot No. 10, Asaf Ali Road, New Delhi.

Dated 12th June, 1987.

Seal

*Strike off where not applicable

निवेश सं. आई. ए. सी./एस्यू. 6/37 ई. ई.-9-86/90:—मत मुझे टी. के. शाह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 के अधीन सकाम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संष्करा 17 ए है तथा जो नजफगढ़ रोड इण्डस्ट्रीयल एस्ट्रिया नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपादान अमृसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), *सकाम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के खाले अधीन तारीख सितम्बर, 1986 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्षी की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के मन्दवृत्त प्रतिशत अधिक हैं और अन्तर (अन्तररक्ती) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः यद्युक्त भ्रष्टियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त भ्रष्टियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन लिखित व्यक्तियों अवृत्ति:—

(1) श्रीमती नरिन्द्र कान्ता पत्नी श्रीमती सर्वीष कुमारी 16-ई, कमला नगर, दिल्ली-7 (प्रतरक)

(2) मैं, विपुल प्रोपर्टीज प्रा. लिमिटेड बी-१, मायापुरी इण्डस्ट्रीयल एरिया, फेज-१, नई दिल्ली (अस्त्रिती)

की यह सूचना आरी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होते हो, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी भ्रष्ट व्यक्ति द्वारा, अधीक्षताकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

प्रधीकरण :—इसमें प्रयुक्त संबंधों और पदों का, जो आयकर भ्रष्टियम 1961 (1961 का 43) के भ्रष्टाचार 20-क में यथा-पारमाणि हैं, वही अर्थ होगा जो उस भ्रष्टाचार में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 17-ए, नजफगढ़ रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया नई दिल्ली तालाबी 1993.3 वर्गमी

तारीख 12-६-८७

भौत्तर

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. I.A.C.(Acc)/Range VI/37EE/9-86/90.—Whereas I, T.K. SAH being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 17-A, situated at Najafgarh Road Industrial area, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) Smt. Narinder Kanta and Smt. Santosh Kumari, 16-E, Kamla Nagar, Delhi-110007. (Transferor)

(2) M/s. Vipul Properties (P) Ltd. B-9, Maya Puri, Indl. area, Phase-I New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:

Explanation—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

“Plot No. 17-A, Najafgarh Road, Industrial area, New Delhi Measuring 1993.3 sq. yds. Date 12th June 1987.

Seal

*Strike off where not Applicable

निर्देश नं. आई.ए.सी.एक्यू.6/37ई.ई./9-86/182.—अतः मुझे दी के साह आयकर भ्रष्टियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पार्वत 'उक्त भ्रष्टियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सभी अधिकारी का यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सम्भा है तथा जो बारा हिंदुराब, नया रोहतक रोड व किशनगंगा नई दिल्ली में स्थित है (और इसे उत्तराधि अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सभी अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर भ्रष्टियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन तारीख सितंबर 1986 को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दूर्घमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर संपत्ति का

उचित-बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पश्चात् प्रतिशत प्रधिक हैं और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) और प्रत्यक्षियों (प्रत्यक्षियों) के बीच से प्रस्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्षक के दायित्व में कभी करने या उससे अच्छे में सुविधा के लिए और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक प्रस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रत्यक्षरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उप-धारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अस्तियों पर्याप्त:—

1. श्री/श्रीमती/कुमारी मै. कैलाशनाथ एंड एसोसियेट्स
18 बाराखंभा रोड, नई दिल्ली-110001
(अंतरक)

2. श्री/श्रीमती/कुमारी मै. डी. सी. एम. लिमिटेड
बाड़ा हिंदुराष, दिल्ली

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तदनुसंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाबत में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्तवद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्याप्त को आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारित किये गये हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रत्यक्ष

(1) हर एक वस्त्र आवासीय भवनों में कुल बने हुए व विक्रय योग्य एरिये का 52% और

(2) हर एक ग्राम पर्याटिक फैक्टरीज में कुल बने हुए व विक्रय योग्य एरिये का 60% जो कि मै. कैलाशनाथ एंड एसोसियेट्स द्वारा, डी.सी.एम. की बाड़ा हिंदु रोड, नया रोहतक रोड व किशनगंज दिल्ली में स्थित जमीन पर बनाये जाएंगे।

तारीख 12-6-87

प्रधार

(जो सामूहिक होता है उसे काढ दिजिए)

454 GI/87

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range VI/37EE/9-86/182.—
Whereas I.T.K. Sah, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000/- and bearing No. D.C.M. Ltd., at Bara Hindu Rao, New Rohtak Road, Kishanganj, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 A B of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1952 (27 of 1957).

NOW, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

(1) M/s. Kailash Nath & Associates
18, Barakhamba Road,
New Delhi-110001
(Transferor)

(2) M/s. DCM Limited.
Bara Hindu Rao, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

- (i) 52% of the total built up and all other saleable areas in each of the ten residential; and
- (ii) 60% of the total built up and all other saleable areas in each of the eight flatted factories, buildings to be constructed by M/s. Kailash Nath & Associates on the land in possession of DCM Ltd. at Bara Hindu Rao, New Rohtak, Road, Paharganj, Delhi.

Date 12th June, 87.

Seal

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. मार्ग. ए. नं. /एक्यू/6/37EE/9-86/184.—प्रत: मुझे दी. के. साह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है यी धारा 269य के अधीन सक्रम अधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या—है तथा जो 10-सी, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से जणित है, सक्रम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269ख के अधीन नारीख फिल्डर 1986 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दूष्यमान प्रतिफलके लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्योक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल में, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण में दुई किसी आय के बावजूद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी वन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्यकर प्राप्तियम, (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269य को उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविनाशीयों पर्याप्त हूँ—

1. श्री/भ्रीपरो मुरारी । सतीश कोहली 1/2 जनपथ लेन, नई दिल्ली (अंतरक)
- (2) राजन ज्योतिश कोहली एस-154, मेट्रो कैलाश-2 नई दिल्ली ।
- (3) रमेश राज कोहली डी-21, एन डी एस ई 2, नई दिल्ली ।
- (4) विवेका कोहली 10बी, सर गंगाराम हास्पिटल नई दिल्ली (अन्तरिती)

2. श्री/भ्रीमति कुमारी मोरियापल मरकंटाइल्स कं. लिमि.

पंजीकृत कार्यालय 36ए एंड बी, प्रतापगढ़ी रोड, नई दिल्ली ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यकारी मूल्य करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अविनाशीयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविनाशीयों में किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविनाशीय अधिकृतों के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अन्तर्गत 20-क में यथा-परिभ्रायित है, वही पर्याप्त होगा जो उस प्रावधार्य में दिया गया है।

प्रनुस्पति

प्राप्ती विवरण नं. 10-पी कश्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली ।
तारीख 12-6-87

मोहर

*जो लागू न हो उसे काट दीजिए

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range VI/37EE/9-86/184—Whereas I.T.K. Sah, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1951) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000/- and bearing No. 10-C Kasturba Gandhi Marg, New Delhi, (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and *has been registered with the Competent Authority u/s 259 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922

(11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957)

NOW, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act. to the following persons, namely :

(1) Shri Satish Kohli,
1/2, Jyoti Path Lm., New Delhi., 2 Rajen
Jyotish Kohli S-154, G. Kailash-II,
(Transferor)

3. Ramesh Raj Kohli,
D-21, NDSE-II and Sh Vivek Kohli,
10-B, Sir Ganga Ram Hospital Road,
New Delhi. (Transferer)

(2) The Oriental Mercantile Co.Ltd.,
Regd. Office : 36,A & B,
Pratapaditya Road,
Calcutta-700026. (Transferee)

M/s. Khatan Electricals Ltd.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

“Property bearing No. 10-C, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi”.

Dated 12 June, 1987.

Seal

*Strike off where not applicable

* निर्देश सं. प्राई. ए. पी. 'एसू.' 6'37 11/9-86/152.—प्रत. मुझे, टी. के. साह ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) को धारा 269D के प्रधीन समाम प्रधिकारी को यह विश्वास कराने का कारण है कि स्पावर संपत्ति, जिसका वैधत बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या है तथा जो प्लैट नं. 312, सिड्डेक्ट हॉस्ट, 3, गोल्ड रोहतक रोड, नई बिल्ली में स्थित है (और इससे उपर एसूस्ची में पूर्ण रूप से वर्णित है), *समाम प्रधिकारी के कार्यालय में मास्तीय ग्रायकर अधिनियम

1981 की धारा 269D के बत्रीन तारीख सितंबर 1986 को पूर्वोक्त नियम के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कराने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपर दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत विधात से अधिक हैं और अन्तर (अन्तरितों) अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया अधिक प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत आकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तीयों को, जिसे हारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 का 27 के प्रयोगतर्थे अस्तित्व द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

प्रत. इव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मै उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उप-धारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्यातः—

1. श्री/श्रीमती/कुमारी एस बी सेल्स लिमि.
मूल्दी-1, अंसल भवन, 16-के जी मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री/श्रीमती/कुमारी यूनी टाउन ट्रैडिंग एंड इंवेस्टमेंट, लिमि.
504/32-33 कुसुल बाजार, नेहरू प्लेस नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही मूल करता है।

उक्त वंपत्ति के प्रजन्त के संबंध में कोई भी आक्षेपः

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर परिति में दिवांग किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अदाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण: इसमें प्रमुक शब्दों और पदों का, जो ग्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पैकेट नं. 312 नामवी, 485 वर्ग कोट सिडीकेट हाउस, 3 गोल्ड रोहतक रोड, नई दिल्ली।

तारीख 12-6-87

*जो सार्ग न हो उसे कौट दीजिए

Ref. No. I. A. C. (Acq)/VI/37EE/9-86/152.—Whereas, I, T. K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 312, in Syndicate House, situated at 3, Old Rohtak Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and *has been registered with the Competent Authority u/s 269 A B of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth tax Act, 1952 (27 of 1952).

Now, therefore, in pursuance of section 269C,

I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act. to the following persons, namely:

(1) M/s. S.B. Sales Pvt. Ltd., UB-1,
Ansal Bhawan, 16-Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi. (Transferor)

(2) M/s. UP Town Trading and Investments Ltd.
504/32-33, Kusal Bazar,
Nehru Place,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 312 measuring 485 sft. in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi."

Date 12th June, 1987.

Seal

*Strike off where not applicable.

निर्देश मं.आई.ए.सी./एक्यू./6/37एच/9-86/153.—अतः, मुझे दो के पाह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्रम अधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संलग्न है तथा जो सेस न. 203-ए, सिंडीकेट हाउस 3 ब्रोड रोहतक रोड, दिल्ली में स्थित है (और इसे उपर्युक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), "सक्रम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269कब के अधीन तारीख तिरंवर, 1986 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दूर्घमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्घमान प्रतिफल से, तो से यम्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अलियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या छनकर प्रधिनियम 1952 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए था, लियाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अलियों, प्रतिशत:—

1. श्री/धीरमती/कुमारी एस. बी. सेल्स प्रा. लिमि.
गूडी-1, अंसल भवन, 16-के. जी. मार्ग, नई दिल्ली।
(अन्तरक)।

2. श्री/धीरमती/कुमारी मेसंस यूपी टाउन ट्रेडिंग एंड इंस्ट्रमेंट लिमि.
504, कुनूल बाजार, 32-33, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली
(अन्तरित)।

को यह सूची जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यकारी तौर
करता हूँ।

उक्त संपत्ति के ग्रंथन के संबंध में कोई भी आशेषः

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तार्तवंशी व्यक्तियों पर सूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि ताव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में काशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधो-हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा जान्ते।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घंटे सं. 203-ए, 335 बैंकीट सिडीकेट हाउस, 3-प्लॉट रोहतक रोड।
विल्ली।

तारीख 12-6-87

*बो लाग न हो उसे काट दीजिए।

टी.के.साह,

मयाम अधिकारी

भद्रोक्यक आयकर आयुक्त (निर्वाचन)
ग्रंथन 6 रंज दिल्ली, नई फ़िल्ड: 110002

Ref. No. I. A. C. (Acq)/VI/37EE/9-86/153.—
Whereas I, T.K. Sah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 203-A in Syndicate House situated at 3, Old Rohtak Road, Delhi, (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and *registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at N. Delhi* has been registered with the Competent Authority u/s 269 A B of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or

454 GI/87—4

which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act 1952 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act. to the following persons, namely :

(1) M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd. UB-1, Ansal Bhawan, 16, K.G. Marg New Delhi, (Transferor)

(2) M/s. UP Town Trading & Investment Ltd., 504, Kusal Bazar, 32-33, Nehru Place, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

“Space No. 203-A of 335 sft. in Syndicate House
3-Old Rohtak Road, Delhi”.

Date : 12-6-87

Seal :

*Strike off where not applicable.

T. K. SAH,
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax) Acquisition Range, VI
New Delhi-110002

